भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

राज्य सभा

अतारां कत प्रश्न संख्या **1016**

(मंगलवार**, 28** जुलाई**, 2026/6** श्रावण**, 1948 (**शक) को उत्तर के लए)

दिवाला कार्यवाही और वसूली दर

1016 श्रीमती सागरिका घोषः

क्या कारपोरेट कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के अंतर्गत औसत वसूली दर क्या है;
(ख) दिवाला कार्यवाही को पूर्ण करने में औसतन कतना समय लगता है; और
(ग) सां व धक समय-सीमा से अ धक लंबित मामलों की संख्या कतनी है**?**

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री।

(श्री हर्ष मल्होत्रा)

(क): दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता**, 2016 (**आईबीसी) व्यवहार्य व्यवसायों के पुनरुद्धार तथा उद्यम के मूल्य को संर क्षत रखते हुए वत्तीय संकट का समाधान करने के लए निग मत व्यक्तियों की दिवाला समाधान प्र क्रया हेतु एक व धक ढांचा है। समाधान प्र क्रया बाजार-संचा लत है तथा लेनदारों द्वारा की गई वसूली संकटग्रस्त उद्यम की अंतर्निहित परिसंपत्ति की गुणवत्ता तथा वा णज्यिक व्यवहार्यता को परिल क्षत करती है। मार्च**, 2026** तक आईबीसी के अधीन कुल **1,419** मामलों में समाधान योजनाएँ प्राप्त हुई हैं। इन मामलों के परिणामस्वरूप लेनदारों को **4.32** लाख करोड़ रुपए की वसूली हुई है**,** जो स्वीकृत दावों का **30.56** प्रतिशत**,** उ चत मूल्य का **94.56** प्रतिशत तथा परिसमापन मूल्य का **166.85** प्रतिशत है।

(ख): मार्च**, 2026** के अंत तक समाधान योजनाएँ प्राप्त करने वाली **1,419** कारपोरेट दिवाला समाधान प्र क्रयाओं (सीआईआरपी) को प्र क्रया के समापन में औसतन **621** दिन लगे (न्यायनिर्णायन प्रा धकरण द्वारा अपवर्जित अव ध को छोड़कर)। इसी प्रकार**,** परिसमापन आदेशों में परिणत हुई **3,003** सीआईआरपी को प्र क्रया के समापन में औसतन **531** दिन लगे। इसके अतिरिक्त**,** अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कए जाने के साथ समाप्त हुई **1,692** परिसमापन प्र क्रयाओं को उनके समापन में औसतन **691** दिन लगे। इसी प्रकार**,** अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कए जाने के साथ समाप्त हुई **2,022** स्वैच्छिक परिसमापन प्र क्रयाओं को उनके समापन में औसतन **394** दिन लगे।

(ग): मार्च**, 2026** तक **1,885** सीआईआरपी प्रच लत थीं। इनमें से **1,367** सीआईआरपी ने **330** दिनों की सां व धक समय-सीमा को पार कर लया है।

*****